लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3730
दिनांक 12.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

'वोकल फॉर लोकल' अभियान

3730. श्री जय प्रकाशः
श्री सतपाल ब्रह्मचारीः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हरियाणा के हिसार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में "वोकल फॉर लोकल" अभियान को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष पहल की है;

(ख) यदि हाँ, तो इस अभियान के अंतर्गत अब तक कितने स्थानीय बुनकरों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों और एमएसएमई इकाइयों को लाभ हुआ है;

(ग) क्या सरकार ने हिसार और सोनीपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय उत्पादों के प्रचार, विपणन और ब्रांडिंग के लिए प्रदर्शनियों, मेलों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या हिसार और सोनीपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में "वोकल फॉर लोकल" को सुदृढ़ करने के लिए भविष्य में कोई योजनाएँ लागू किए जाने की संभावना है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): वस्त्र मंत्रालय लक्षित सोशल मीडिया अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों के प्रति जन जागरूकता और उनके गौरव को बढ़ावा देता है, जो अपने सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से और चौपालों का आयोजन करके हरियाणा के हिसार सहित पूरे देश में इस क्षेत्र के महत्व और विशिष्टता को हाइलइट करते हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान, हरियाणा राज्य में 731 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए कुल 27 चौपालें और एक हाइरिंग ऑफ स्टॉल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(ग) और (घ): वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार हरियाणा राज्य सहित पूरे देश में हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों के संवर्धन और विकास के लिए निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है:

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम;
2. कच्चा माल आपूर्ति योजना;
3. राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम;
4. व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना;

उपरोक्त योजनाओं के तहत, अन्य पहलों के अलावा सरकार उन्नत करघे, सहायक उपकरण और टूलकिट, डिजाइन नवाचार, क्लस्टर विकास पहल के तहत हथकरघा और हस्तशिल्प के उत्पाद विकास, तथा मार्केटिंग पहलों के तहत प्रदर्शनियों/कार्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से ब्रांडिंग के साथ स्थानीय हस्तनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु मार्केटिंग प्लेटफार्मों के लिए सहायता प्रदान करती है।

ये योजनाएं स्थानीय स्तर पर हस्तनिर्मित उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन, अवसंरचना और बाजार पहुंच को बढ़ाने के लिए क्लस्टर विकास को स्पष्ट रूप से बढ़ावा देती हैं, जिसका उद्देश्य सोनीपत और हिसार लोकसभा क्षेत्रों सहित पूरे भारत में बुनकरों और कारीगरों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने के लिए सशक्त बनाना है।

*****